दिनांक 14 दिसम्बर 2018 को राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2018 प्रदान करने के लिए आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपयोग हेतु माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण

———

1. आज राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री आर.के. सिंह, अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण, विभिन्न औद्योगिक इकाईयों के प्रमुख, कार्यकारी अधिकारी एवं उनसे बढ़कर बच्चे, जो देश में भविष्य में ऊर्जा संरक्षण की प्रमुख आशा बन कर हमारे समक्ष हैं, के साथ इस कार्यक्रम में शामिल होकर मुझे प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।

2. 14 दिसम्बर प्रतिवर्ष ऊर्जा संरक्षण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का महत्व वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बहुत ही प्रासंगिक है। कहावत है कि "The less you burn the more your earn". ऊर्जा का संरक्षण इसलिए भी आवश्यक है कि यह हमारे पर्यावरण को ग्रीन हाउस प्रभाव (Green House Effect) से भी बचाता है एवं इस प्रकार महत्वपूर्ण संसाधनों को नष्ट होने से बचाता है। आज विश्व के सभी देश ऊर्जा संसाधनों के संरक्षण को भी उतना ही महत्व देते हैं जितना कि ऊर्जा उत्पादन को।

3. भारत में भी इस दिशा में महत्वपूर्ण पहल हुई है। वर्ष 2001 में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम बनाया गया है। Bureau of Energy Efficiency (BEE) द्वारा स्टैंडर्ड और लेबलिंग की शुरूआत हुई, बेंचमार्क निर्धारित किए गए, उपकरणों पर स्टार रेटिंग की गई, एलईडी के प्रयोग, Clean and Green Energy के उपयोग को प्रोत्साहित किया गया। ऊर्जा संरक्षण के विविध उपायों में से एक Public Transport System का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का जरूरत भर उपयोग, Power Saving Device एवं सौर ऊर्जा का अधिकतम उपयोग इत्यादि महत्वपूर्ण हैं।

4. हमारी संस्कृति का guiding principle है "Nurture the nature" to have a better future. हम प्रकृति से उतना ही लेते हैं जितना आवश्यक एवं उपयुक्त है, लेकिन हमें सदैव इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हम प्रकृति से उसका सब कुछ न ले लें। यदि ऐसा हुआ तो हम आने वाली पीढ़ियों को क्या जवाब देंगे? हमारे प्राचीन शास्त्रों में वर्णित हैः–

''जीवने यावददानं स्यात् प्रदानं ततोधिकम्।
इत्येषा प्रार्थनास्माकं भगवन् परिपूर्यताम्।।''

(means- Let us be able to give more than what we receive in the life. This is the only prayer I offer each and every second and hope the divine fulfils it.)

5. हमारी संस्कृति में वृक्षों को पवित्र माना जाता है और यह कहा जाता है कि ''वृक्षो रक्षति रक्षितः'' जिसका अर्थ है कि जो वृक्षों को बचाता है, उसकी रक्षा वृक्ष करते हैं। मत्स्यपुराण में वृक्ष के विषय में कहा गया हैः–

''दशकूपसमा वापी, दशवापी समो ह्रदः।
दशह्रदसमः पुत्रो दश पुत्र समो द्रुमः।।''

(इसका अर्थ है एक तालाब दस कुंओं के समान होता है, एक जलाशय दस तालाबों के समान, एक पुत्र दस जलाशयों के समान होता है और एक वृक्ष दस पुत्रों के समान महत्व रखता है।) Nature protects if it is protected.

6. बिजली की खपत को कम करने की बात ध्यान में रखते हुए ही हमने भी संसद भवन में एलईडी लाइटिंग, Solar Panels और Solar Plant की व्यवस्था करवाई है। पर्यावरण के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए E-Parliament की दिशा में भी काम हो रहा है। लोक सभा सचिवालय को Paperless Secretariat में परिवर्तित करने के उत्साहवर्धक परिणाम मिले हैं। मेम्बर्स पोर्टल के आरंभ होने के पश्चात् विविध संसदीय कार्यों की नोटिस

एवं अन्य कार्य अब online द्वारा किए जाने से जहां संसदीय कार्यों में पारदर्शिता और तेजी आई है और वहीं इससे हजारों पेड़ों की रक्षा हुई है।

7. ऊर्जा संरक्षण के लिए आत्मानुशासन के साथ–साथ सामूहिक अनुशासन, सामाजिक अनुशासन और सांस्कृतिक अनुशासन भी अत्यन्त आवश्यक है।

8. वर्तमान समय में हमारा देश ऐसी स्थिति में है कि हमें तेज गति से विकास करना है जिसके लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होगी लेकिन हमें ऊर्जा का संरक्षण भी करना है। यह हमारे सम्मुख बहुत बड़ी नीतिगत और व्यावहारिक चुनौती है। Global Warming, Green House Effect, Climate Change, Soil Erosion, Carbon Emission etc. आदि ऐसी परिघटनाएं हैं जो पृथ्वी के पर्यावरणीय संतुलन पर गंभीर प्रभाव डाल रही हैं और ये बदलाव मानव के अस्तित्व को ही खतरे में डाल सकते हैं। पर्यावरण और विकास के मध्य हमें उचित संतुलन स्थापित करना होगा तभी sustainable development होगा।

9. अतः, हमें पुनः अपने जड़ों की ओर लौटना होगा, यानि पर्यावरण का ध्यान रखते हुए विकास कार्य करना होगा। अवसंरचना एवं भवन निर्माण इस प्रकार के होने चाहिए जिसमें अधिक से अधिक प्राकृतिक संसाधनों जैसे प्राकृतिक प्रकाश (natural light), हवा और पानी का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो। 3R (Reduce, Reuse and Recycle) is also need of the hour. Someone has said and I quote:- "We do not inherit the earth from our ancestors; we borrow it from our children."

10. United Nations Framework Convention for Climate Change (UNFCC) का सदस्य होने के नाते भारत ने emission intensity को कम करने का

निर्णय लिया है। Energy efficiency भारत की energy security के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

11. ऊर्जा के लिए महज अकेले या खोज द्वारा नहीं बढ़ा जा सकता। इसके लिए हमें परंपरागत और आधुनिक दोनों तरह की सहभागिता चाहिए। सहभागिता मानवता, विकास और समावेशिता की सतत् आशा जगाती है। हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष विश्व के 110 देशों का International Solar Alliance बनाया। इस संगठन का उद्देश्य ऐसे देशों को एक मंच पर लाना है जोकि स्वच्छ ऊर्जा, टिकाऊ पर्यावरण, स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन और स्वच्छ जलवायु का समर्थन करते हों। यह संगठन सौर ऊर्जा के विकास और उपयोग में तेजी को बढ़ावा देगा ताकि वर्तमान और भावी पीढ़ी को ऊर्जा सुरक्षा प्रदान की जा सके।

12. ऊर्जा संरक्षण का संदेश देने के लिए Painting Competition अत्यन्त सामयिक एवं उपयुक्त है क्योंकि एक चित्र हजार शब्दों को बयान करता है। And a person paints with his brains and not with his hands. सभी बच्चों को बधाई। उन्होंने अत्यन्त अनूठे तरीके से पेंटिंग्स के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया है।

13. मैं एक बार पुनः Bureau of Energy Efficiency (ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिसिएंसी), विद्युत मंत्रालय एवं अन्य संगठनों, जिन्होंने ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में कार्य किया है, को बधाई देती हूं। मैं राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण अवार्ड के विजेताओं के साथ–साथ युवा स्कूली विद्यार्थियों को भी बधाई देती हूं। मुझे विश्वास है कि आपमें से प्रत्येक इस धरती को रहने योग्य, हरा–भरा एवं environment-friendly बनाएंगे। **''विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण की खूबसूरत जुगलबन्दी एवं जनभागीदारी के माध्यम से ही प्रगति की नई इबारत लिखी जा सकती है''।**

14. Save today, survive tomorrow. Finally I leave you with this thought:

If not now when? If not you then who?

जय हिन्द।

______